Q कोबर का पर्वत निर्माण सिद्धांत :-

प्रस्तावक : हंस कोबर (जर्मन भूवैज्ञानिक)
समय : 20 वी शताब्दी का प्रारंभ

* सिद्धांत का आधार :-
कोबर पर्वत निर्माण को Geosyncline (भूसन्नति) की अवधारणा से समझाया।
उनके अनुसार पर्वतों का निर्माण पृथ्वी की पपड़ी के धंसे हुए भागों में होता है, जहाँ लंबे समय तक अवसाद जमा होते हैं।

* Geosyncline (भूसन्नति) क्या है?
यह पृथ्वी की पपड़ी का लंबा, सँकरा और गहरा धंसा हुआ भाग होता है। इसमें नदियों और समुद्रों द्वारा लाई गई तलछट लाखों वर्षों तक जमा होती है। यह क्षेत्र दो कठोर भू-भागों के बीच स्थित होता है।

* कोबर के अनुसार पर्वत निर्माण की प्रक्रिया
(1.) प्रारंभिक अवस्था :-
दो स्थिर कठोर भू-भाग के बीच एक गहरी भूसन्नति होती है।
(2.) अवसादन :-
इस भूसन्नति में मोटी तलछटी परतें जमा होती रहती हैं। परतों की मोटाई हजारों मीटर तक हो सकती है।

vivo Y02
Feb 11, 2026, 22:07

(3) संपीडन :-

दोनों ओर के forelands एक दूसरे की ओर बढ़ते हैं। इससे बीच की तलछटी चट्टानों पर दबाव पड़ता है।

(4.) वलन :-

तलछटी चट्टानें मुड़ जाती हैं। वलित संरचनाएँ बनती हैं।

(5.) पर्वत निर्माण :-

ये वलित चट्टानें ऊपर उठकर fold mountains बनाती हैं।

* कोबर की प्रमुख अवधारणाएँ :-
> अग्रभूमि — स्थिर कठोर भू-भाग
> भूसन्नति — अवसाद संचय का क्षेत्र
> मध्य पिंड — बीच का उभरा हुआ भाग

* उदाहरण :-

हिमालय, आल्प्स, एटलस पर्वत।

* कोबर सिद्धांत की विशेषताएँ :-
→ वलित पर्वतों की अच्छी व्याख्या
→ संरचनात्मक भूविज्ञान पर आधारित

* सीमाएँ :-
→ प्लेटों की वास्तविक गति का स्पष्ट कारण नहीं बताया।
→ पृथ्वी की आंतरिक शक्तियों की वैज्ञानिक व्याख्या कमजोर।

vivo Y02
Feb 11, 2026, 22:07

→ आधुनिक प्लेट विवर्तनिकी से पूरी तरह मेल नहीं खाता।

* होम्स का सिद्धांत :-
प्रस्तावक : आर्थर होम्स (ब्रिटिश भूवैज्ञानिक)
समय : 1928

* सिद्धांत का आधार :-
होम्स ने कहा कि पर्वत निर्माण का मुख्य कारण पृथ्वी के Mantle (मैंटल) में उत्पन्न संवहन धाराएँ हैं।

* संवहन धारा क्या है?
जब कोई पदार्थ गर्म होता है तो हल्का होकर ऊपर उठता है। ठंडा होकर भारी होने पर नीचे जाती है। यही चक्र संवहन धारा कहलाता है।

* पर्वत निर्माण की प्रक्रिया :-
(1) आंतरिक ताप :-
पृथ्वी के अंदर रेडियोधर्मी तत्वों के कारण अत्यधिक ताप उत्पन्न होता है।
(2) संवहन धारा का निर्माण :-
मैंटल में गर्म पदार्थ ऊपर उठता है। ठंडा पदार्थ नीचे जाता है। इससे गोलाकार संवहन धाराएँ बनती हैं।

vivo Y02
Feb 11, 2026, 22:07

(3) पपड़ी की गति :-

ये धाराएँ पृथ्वी की पपड़ी को खींचती है और धकेलती है। परिणामस्वरूप प्लेटें चलने लगती है।

(4) टकराव और पर्वत निर्माण :-

जब दो प्लेटें टकराती है - fold Mountains बनते है। जब अलग होती है - महासागर या रिफ्ट घाटी बनती है।

* महत्व :-
→ वेगेनर के महाद्वीपीय विस्थापन का सिद्धांत को आधार दिया।
→ वैज्ञानिक रूप से अधिक स्वीकार्य।

* सीमाएँ :-
→ उस समय मेंटल की गति का प्रत्यक्ष प्रमाण नही था।
→ प्रारंभिक अवस्था में यह केवल सैद्धांतिक था।

* कोवर और होम्स में अंतर
* आधार
→ कोवर, होम्स
* मुख्य आधार
→ Geosyncline, Convection Currents
* शक्ति का स्रोत
→ लहरी दबाव
→ आंतरिक ताप

vivo Y02
Feb 11, 2026, 22:07

~~*~~ व्याख्या का स्तर

→ स्तरही संरचना
→ आंतरिक गतिशीलता
→ आधुनिक स्वीकार्यता
→ कम
→ अधिक

* निष्कर्ष :-

कोबर ने पर्वत निर्माण को भूसन्नति और संपीडन से समझाया।
→ होम्स ने आंतरिक संवहन धाराओं को इसका कारण बताया।
→ आधुनिक प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत होम्स के विचारों पर आधारित है।

vivo Y02
Feb 11, 2026, 22:07